Regarding need to set up special teams to investigate cases of cyber frauds-laid

श्रीमती मंजू शर्मा **(**जयपुर**) :** हमारे देश की एक विचित्र विडम्बना है, जैसे जैसे हमारा देश आर्थिक दृष्टि से आगे बढ़ रहा है, उसी तेजी से साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं । आज साइबर अपराध से देश के हजारों लोग विशेष तौर पर वरिष्ठ नागरिक इसके शिकार हो रहे हैं । ऐसे बहुत से उदाहरण है जहां इन वरिष्ठ नागरिकों ने अपने जीवन भर की कमाई हुई पूंजी मिनटों में इन साइबर अपराधियों द्वारा की गई धोखाधड़ी से गवाई है । बाद में इन अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिलता है । साइबर अपराध एक ऐसी समस्या है जो हमारे समाज को तेजी से निगल रही है । यह न केवल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि यह हमारे देश की सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा है । साइबर अपराध के विभिन्न रूप है जैसे हैकिंग, फिशिंग, साइबर बुलिंग और ऑन लाइन धोखाधड़ी । इन अपराधों को करने वाले लोग अक्सर हमारे डेटा को चोरी करने या हमें नुकसान पहुँचाने के लिए नए और नवाचारी तरीके ढूंढते हैं । अब समय आ गया है जब सरकार को इस विषय में कड़ी से कड़ी और तुरन्त कार्यवाही करने की आवश्यकता है । मेरा यह मानना है कि सरकार इस विषय पर कार्यवाही कर रही है, लेकिन साइबर अपराध के मामलों की जांच करने और अपराधियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन करने की आवश्यकता है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाये और हमारी आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुँचे, सरकार अविलम्ब सख्त से सख्त कार्यवाही करें और इन अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाये । जब तक ऐसा नहीं होगा ये साइबर अपराधी हमारी स्थिति और हमारे समाज के ताने बाने को खोखला करते रहेंगें ।